दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०८ | अंक:३०८ | मुंबई, बुधवार ०२ अप्रैल २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

अजित दादा का 100 करोड़ का वादा, चाचा के विधायकों के साथ बैठक का दौर, संपर्क में कौन, क्या ऑफर?.....

मुंबईः लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद महायुति ने विधानसभा चुनाव में वापसी की। उन्होंने 237 सीटें जीतीं। वहीं महाविकास अघाड़ी को करारी हार मिली और उन्हें 50 सीटें भी नहीं मिलीं। विधानसभा चुनाव के बाद विपक्ष का प्रभाव कम दिखा। NCP के अध्यक्ष शरद पवार अभी सक्रिय नहीं दिख रहे हैं। वहीं जयंत पाटिल के ँङ्क में जाने की चर्चा है। शरद पवार के कई विधायक अजित पवार की ग्यङ्क के संपर्क में हैं। अजित पवार विकास के मुद्दे पर महायुति के साथ गए थे। अब वे शरद पवार के विधायकों को भी इसी मुद्दे पर अपने साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। अजित पवार उन्हें विकास के लिए फंड का वादा दे रहे हैं।'द न्यू इंडियन एक्सप्रेस' की खबर के अनुसार, अजित पवार शरद पवार के विधायकों को ग्यङ्क में शामिल होने का प्रस्ताव दे रहे हैं। वे उन्हें उनके क्षेत्र के विकास के लिए भरपूर फंड देने का वादा कर रहे हैं। शरद पवार के पास विधानसभा में केवल 10 विधायक हैं। अगर अजित पवार को दल-बदल कानून से बचना है, तो उन्हें 7 विधायकों को अपने साथ लाना होगा। अजित पवार का ध्यान सोलापुर पर है। सोलापुर ने शरद पवार को 4 विधायक दिए हैं। ये विधायक हैंः अभिजीत पाटील (माढा), राजू खरे (मोहोळ), उत्तम जानकर (माळशिरस), और नारायण पाटील (करमाळा)। ये सभी 'तुतारी' चुनाव चिन्ह पर जीते हैं। अजित पवार इन विधायकों पर खास ध्यान दे रहे हैं।

पहले मस्जिद में ब्लास्ट फिर मंदिर में इस्लामिक झंडा, नागपुर के बाद एक और जिले को सुलगाने की साजिश!

महाराष्ट्र के बीड से एक बड़ी खबर सामने आई है। कट्टरपंथियों ने बीड के हिंदू मंदिर में इस्लामिक झंडा लगा दिया। इससे इलाके में तनाव फैल गया है। फिलहाल पुलिस ने मंदिर से झंडे को उतरवा दिया है। हालांकि किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई है।बता दें कि ईद से एक दिन पहले ही बीड में ही मस्जिद में ब्लास्ट हुआ था। महाराष्ट्र के बीड जिले में हुए मस्जिद ब्लास्ट मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस केस की जांच अब महाराष्ट्र ँऊए कर रही है। फिलहाल ब्लास्ट के लिए जिलेटिन कहां से लाई गई तथा इसके पीछे कौन लोग हैं? एटीएस इस बात की की जांच में जुट गई है। जिन आरोपियों की गिरफ्तार की गई है, उनकी पहचान विजय राम गव्हाणे (22) तथा श्रीराम अशोक सागडे (24) के रूप में हुई है। बीड पुलिस ने विस्फोट के महज 3 घंटे के भीतर इन आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों के पास से जिलेटिन इस्तेमाल करने के किसी भी प्रकार के कोई लाइसेंस नहीं हैं।

इसी बीच महाराष्ट्र के बीड जिले में ही एक गांव में मंदिर पर हरे रंग का झंडा लगाए जाने से इलाके में कुछ वक्त के लिए तनाव पैदा हो गया। बाद में पुलिस ने सोमवार को दो अलग-अलग समुदायों के स्थानीय निवासियों से बात की तथा स्थिति को नियंत्रण में किया।

10 साल बाद भी ट्रैफिक जाम, कचरे के ढेर और जलभराव, कहां है स्मार्ट सिटी?

स्मार्ट सिटी या धोखा? मुलभूत सुविधाओं से जूझ रहा है भारत

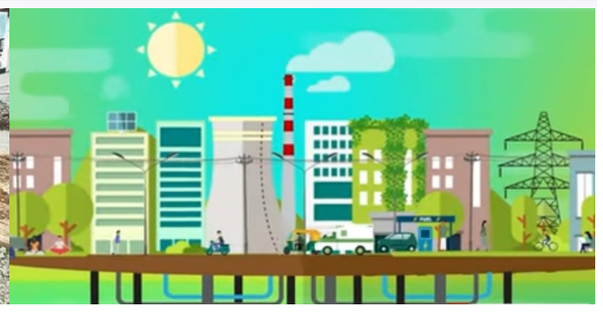

सईद शेख

नई दिल्ली। वर्ष 2015 में भारत सरकार ने देश के 100 शहरों को 'स्मार्ट' बनाने के लक्ष्य के साथ एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की थी। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत यह दावा किया गया था कि इन शहरों को डिजिटल तकनीकों, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और टिकाऊ विकास से लैस किया जाएगा, जिससे नागरिकों का जीवन अधिक सुविधाजनक और आधुनिक हो जाएगा। लेकिन आज, जब इस योजना को दस साल पूरे हो चुके हैं, तो सवाल उठता है–क्या यह मिशन अपने उद्देश्यों को पूरा कर सका है, या फिर यह सिर्फ़ एक और अधूरी सरकारी योजना बनकर रह गया? सरकार ने इस योजना के तहत शहरों को ट्रैफिक प्रबंधन, कचरा निपटान, जल आपूर्ति, स्वच्छता और डिजिटल प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर बनाने का दावा किया था। लेकिन वास्तविकता यह है कि आज भी अधिकतर शहर उन्हीं समस्याओं से जूझ रहे हैं, जो 2015 में थीं। स्मार्ट ट्रैफिक लाइट लगाने का वादा किया गया था, लेकिन दिल्ली, मुंबई, कानपुर और लखनऊ जैसे बड़े शहरों में जाम की स्थिति बदतर हो गई है। स्मार्ट सिटी मिशन को लेकर नागरिकों में नाराज़गी बढ़ रही है।

स्थानीय लोग कहते हैं कि स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ़ इमारतें खड़ी कर दी गईं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की समस्याओं का हल नहीं निकाला गया। सड़कें खराब हैं, पेयजल संकट जारी है और बिजली कटौती आम बात बनी हुई है। अगर सरकार वाकई स्मार्ट सिटी बनाना चाहती है, तो उसे पहले बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान देना होगा। केवल डिजिटल सेवाओं और सीसीटीवी कैमरों से कोई शहर स्मार्ट नहीं बन सकता। पारदर्शिता, जवाबदेही और ठोस कार्ययोजना के बिना यह मिशन बस एक और असफल सरकारी योजना बनकर रह जाएगा।

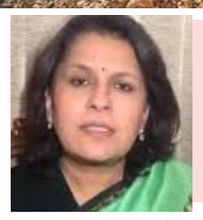

कांग्रेस की नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि एक और जुमले का अंत हुआ। सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन को बंद कर दिया है। सौ स्मार्ट सिटी पर होनेवाला था काम, 10 साल में तीन बार बढ़ाई गयी डेडलाईन, 84 सीटी में14 हजार करोड़ का काम अभी भी अधर में लटका हुआ है।

जलभराव और प्रदूषण

मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे शहर आज भी बारिश में डूब जाते हैं। ड्रेनेज सिस्टम सुधारने की योजनाएं या तो धीमी हैं या पूरी तरह से विफल रहीं। दिल्ली, गाजियाबाद, वाराणसी और पटना में प्रदूषण की स्थिति पहले से अधिक खराब हुई है। स्मार्ट सिटी बनने के बाद भी इन शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) गंभीर श्रेणी में बना रहता है।

कचरा प्रबंधन की असफलता

स्वच्छता के नाम पर कुछ शहरों में कचरा प्रसंस्करण संयंत्र लगाए गए, लेकिन इनमें से अधिकतर आज भी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे। वाराणसी, मेरठ, कानपुर और गुवाहाटी जैसे शहरों में कचरे के ढेर आज भी आम नज़ारा हैं।

अधूरी परियोजनाएँ और भ्रष्टाचार के आरोप

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत जिन शहरों का चयन हुआ, वहां करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन अधिकतर परियोजनाएँ अब भी अधूरी हैं। कई शहरों में सड़कें खुदी पड़ी हैं, स्मार्ट बस स्टॉप केवल कागज़ों पर हैं और डिजिटल प्रशासन प्रणाली पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है। कई मामलों में सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे, जिससे इन परियोजनाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं।

कौन-कौन से शहर वाकई स्मार्ट बने?

कुछ गिने-चुने शहर जैसे इंदौर, भोपाल, अहमदाबाद और पुणे ने सफाई और डिजिटल सेवाओं में सुधार किया है, लेकिन इनकी संख्या बेहद कम है। दूसरी ओर, बनारस, पटना, जयपुर, मेरठ, कोच्चि और कोलकाता जैसे शहरों में कोई ठोस बदलाव नहीं दिखता।

क्या सरकार की योजना विफल हो गई?

विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन को एक दिखावटी परियोजना की तरह चलाया। योजनाओं को पूरा करने की कोई ठोस समय-सीमा तय नहीं की गई, निगरानी व्यवस्था कमजोर रही और नागरिकों की वास्तविक ज़रूरतों को नजरअंदाज किया गया।

बाबा के बुलडोजर पर 'सुप्रीम' एक्शन, 6 सप्ताह के अंदर देना होगा 10-10 लाख का मुआवजा, अखिलेश यादव ने कुरेदा जख्म!

लखनऊः यूपी के प्रयागराज में बिना नोटिस दिए बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। पीड़ितों को दस-दस लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। कोर्ट का आदेश आते ही समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फैसले का स्वागत किया और यूपी की योगी सरकार पर निशाना साधा।

सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए अंबेडकरनगर की घटना का भी जिक्र किया जिसमें बुलडोजर से झोपड़ी गिराई जा रही है और एक लड़की अपनी किताबें बचाने के लिए भाग रही है। अखिलेश ने उसी लड़की का वीडियो एक्स पर शेयर किया और कहा कि घर एक भावना का नाम है। इसके टूटने से भावनाएं आहत होती हैं।

और क्या कुछ बोले अखिलेश?: अखिलेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश स्वागत योग्य है कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण 2021 में

प्रयागराज में बुलडोजर कार्रवाई पर सभी 5 याचिकाकर्ताओं को 6 सप्ताह में 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देगा। इस मामले में कोर्ट ने नोटिस मिलने के 24 घंटे के भीतर घर गिराने की कार्रवाई को अवैध करार दिया है।

घर सिर्फ पैसों से नहीं बनताः सपा मुखिया

अखिलेश ने कहा कि सच तो यह है कि घर सिर्फ पैसों से नहीं बनता और न ही उसके टूटने का दर्द सिर्फ पैसों से भरा जा सकता है। परिवार के लिए घर एक भावना का नाम है और उसके टूटने पर जो भावनाएं आहत होती हैं, उनकी भरपाई न तो की जा सकती है और न ही कोई उन्हें पूरी तरह से पूरा कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की खिंचाई की और प्रयागराज में घरों को गिराने की कार्रवाई को 'अमानवीय और गैरकानूनी' बताया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि घरों को गिराने की कार्रवाई 'अनुचित' तरीके से की गई।

वक्फ बिल के सपोर्ट में आए नीतीश-नायडू, जेडीयू ने सांसदों के लिए जारी किया व्हिप, जगदंबिका पाल बोले- विरोध के लिए कुछ नहीं

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने बुधवार यानी 2 अप्रैल को संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की पूरी तैयारी कर ली है। इसको लेकर भाजपा ने भी अपने सभी सांसदों को लोकसभा में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी किया है। भाजपा का अनुसरण करते हुए नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने भी सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है।

वक्फ विधेयक पर राजनीति भी चरम पर है। विपक्षी सांसद रणनीतिक चालें चल रहे हैं और इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के साथ लामबंद विपक्षी नेता इस मुद्दे पर एनडीए के सहयोगी दल जदयू और टीडीपी को भड़काना चाहते हैं। लेकिन इस बीच टीडीपी और जदयू ने अपनी सहमति दे दी है। दोनों ने व्हिप जारी किया है।

किरेन रिजिजू ने किया बड़ा दावा

उधर, संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने दावा किया कि विधेयक के पक्ष में न सिर्फ एनडीए एकजुट है, बल्कि विपक्षी भारत गठबंधन के कई सांसदों ने भी इसका समर्थन किया है। रिजिजू ने कहा कि कई विपक्षी सासंदों ने विधेयक को जल्द लाने की मांग की है।

क्या बोले जेपीसी चीफ जगदंबिका पाल

वहीं, वक्फ बिल को लेकर गठित जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने भी चंद्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड के समर्थन की पुष्टि की है। इससे पहले खबरें थी की जेडीयू और टीडीपी वक्फ बिल के पक्ष में नहीं हैं। पाल ने यह भी कहा कि विपक्ष के पास बिल का विरोध करने के लिए कुछ भी नहीं है।

क्यों लग रहे थे 'धोखे' के कयास

जदयू के ललन सिंह ने कहा था कि हम संसद में इस बिल पर अपना रुख साफ करेंगे। वहीं, संजय झा ने एक बयान में कहा कि नीतीश कुमार की राजनीति जब तक है तब तक लोगों के हितों की रक्षा की जाएगी। इन दोनों नेताओं के बयान को भी केन्द्र की मोदी सरकार को इशारा माना गया। जिसके बाद कयास थे कि दोनों ही पार्टियों के सांसद बिल के खिलाफ वोट कर सकते हैं।

निर्णायक भूमिका में जेडीयू-टीडीपी

जेडीयू के 12 और टीडीपी के 16 सांसद बिल के पक्ष या विपक्ष में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। दोनों ही पार्टियां अपने-अपने राज्यों में मुस्लिम वोटों पर भी निर्भर हैं, जिसके चलते वे सतर्कता बरत रही हैं। ये पार्टियां सरकार के साथ रहेंगी या मुस्लिम भावनाओं को तरजीह देंगी, यह आने वाले दिनों में साफ हो जाएगा।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

भगवान बनने की कोशिश कर रहे हैं ट्रंप

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही महीनो के कार्यकाल में ही सबसे ज्यादा चर्चित और विवादित राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के पहले उन्होंने, जिस तरह से दुनिया के सभी देशों को टैरिफ को लेकर धमकाना शुरू कर दिया था। यूरोपीयन एवं नाटो देशों को टैरिफ एवं सुरक्षा समझौतों को लेकर जिस तरह के अनाप-शनाप बयान और धमकी दी है। उससे अमेरिका के यूरोपीय देशों के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में एक नई अफरा तफरी मची हुई है। सारी दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के साथ-साथ टैरिफ युद्ध को लेकर नया तनाव देखने को मिल रहा है। ट्रम्प के सलाहकार एलन मस्क उनसे एक कदम आगे चल रहे हैं। अमेरिका में लाखों लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। अप्रवासी नीति को लेकर अमेरिका के राज्यों के साथ ट्रम्प के मतभेद उभर कर सामने आ रहे हैं। इसी बीच उन्होंने लेंगिक पहचान और महिला अधिकारों पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा औरत वह होती है, जो बच्चा पैदा कर सकती है। ट्रांसजेंडर को लेकर पहले भी उनके आपत्तिजनक बयान आए थे। अब उन्होंने सीधे-सीधे उन महिलाओं को महिला मानने से इनकार कर दिया है। जो मां बनने में सक्षम नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही के निर्णयों में महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। न्यू जर्सी के एक कार्यक्रम में महिला पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जो महिला बच्चा पैदा नहीं कर सकती है। जो महिला पुरुषों से ज्यादा स्मार्ट है। जो पुरुषों की सफलता में बाधा बनती है। इस तरह के विवादित बयान देकर डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आप को ईश्वर के समकक्ष अपने आपको खड़ा करने का प्रयास करे रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कह दिया है, वह 2029 में तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए संविधान बदलना होगा, तो वह बदल देंगे। ट्रंप, सारी दुनिया के देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसकी विभिन्न प्रतिक्रिया सारी दुनिया के देशों में हो रही है। अमेरिका के अंदर भी उनकी लोकप्रिय में दो माह के अंदर सात फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इतने कम समय में लोकप्रियता में इतनी बड़ी गिरावट किसी भी राष्ट्रपति के बारे में इसके पूर्व देखने को नहीं मिली। इसके बाद भी ट्रंप और एलन मस्क के ऊपर कोई असर नहीं पड़ रहा है। एलन मस्क के निर्णयों के खिलाफ सारे अमेरिका में 227 से ज्यादा स्थानो पर प्रदर्शन हो रहे हैं। एलन मस्क की गाड़ियो को जलाया जा रहा है। उनकी कंपनियों के शेयर अमेरिकी नागरिकों द्वारा बेचे जा रहे हैं। अमेरिका के विभिन्न राज्यों की न्यायपालिका ने ट्रम्प के कई प्रशासनिक आदेशों के पालन पर रोक लगा दी है। ट्रंप जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसको देखते हुए अमेरिका और बाहर के देशों में उनकी छवि एक मूर्ख, लालची या अहंकारी नेता के रूप में बन रही है। अमेरिका जैसे देश में इसके पहले कोई भी राष्ट्रपति इस तरह से विवादित नहीं रहा।

टैक्सी और ऑटो चालकों पर बढ़ेगा संकट; परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ई-बाईक टैक्सी को दिखाएंगे हरी झंडी

सिंगल यात्री को सुविधा, ऑटो -टैक्सी के धंधे पर पड़ेगा

मुन्ना मुजावर

महाराष्ट्र में ई-बाइक टैक्सियों को अनुमति देने का निर्णय राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया है। यह

प्रस्ताव आज परिवहन विभाग द्वारा कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत किया गया। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीडिया को बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में हुई इस बैठक में महाराष्ट्र में सिर्फ ई-बाइक टैक्सियों को ही अनुमति देने का फैसला किया गया।

ई-बाइक टैक्सियों के संबंध में वास्तव में क्या निर्णय लिया गया है?

प्रताप सरनाईक ने महाराष्ट्र में शीघ्र ही लागू की जाने वाली ई-बाइक टैक्सी पहल के बारे में जानकारी दी। प्रताप सरनाईक ने कहा, 'ई-बाइक टैक्सी का प्रस्ताव परिवहन विभाग के माध्यम से कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा गया था। सभी मंत्रियों ने महाराष्ट्र में बाइक टैक्सी को अनुमति दे दी है। अभी तक अकेले यात्रियों को असुविधा होती थी। अकेले यात्री को भी रिक्शा-टैक्सी के लिए तीन गुना किराया देना पड़ता था। अब ई-बाइक टैक्सी के माध्यम से आम यात्रियों की यह असुविधा दूर हो जाएगी।'

सरनाईक ने यह भी बताया कि, 'महाराष्ट्र में ई-बाइक टैक्सियों को अनुमति देने का निर्णय पूरे महाराष्ट्र में लिया गया है। इसके लिए 15 किलोमीटर की दूरी तय की गई है। एक संगठन जो 50 बाइक एक साथ ले जाता है, उसे ऐसे यात्रियों को ले जाने की अनुमति दी जाएगी। हमने महिलाओं की सुरक्षा के लिए अच्छे नियम बनाए हैं। हम केवल दो यात्रियों के बीच विभाजन और मानसून के दौरान यात्रियों को भीगने से बचाने के लिए पूरी तरह से कवर वाली ई-बाइक को ही अनुमति देंगे। राज्य सरकार ने ई-बाइक को बढ़ावा देने के लिए यह नीति तय की है।'

यात्री किराया कितना होगा?

इस बीच, सरनाईक ने कहा कि इस ई-बाइक टैक्सी के यात्री किराए के संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'यात्री किराये के संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। इस संबंध में निर्णय के लिए हम अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। नीति को आज मंजूरी दे दी गई है। हम यात्रियों को न्यूनतम दरों पर रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे।'

प्रताप सरनाईक ने बताया, 'सरकार यात्री किराए को लेकर नियम बनाने जा रही है। हम योजना बना रहे हैं कि रिक्शा में 100 रुपए में जो यात्रा करनी पड़ती है, उसे ई-बाइक टैक्सी में 30 से 40 रुपए में कैसे पूरा किया जा सकता है। अगले एक-दो महीने में ई-टैक्सी बाइक शुरू हो जाएंगी।' उन्होंने कहा, 'हम रिक्शा निगम के सदस्य चालकों को 10,000 रुपये की सब्सिडी देने का प्रयास कर रहे हैं। इस बारे में चर्चा हुई है। अगर किसी रिक्शा चालक का बेटा या बेटी ई-बाइक टैक्सी लेता है, तो सरकार उसे 10,000 रुपये की सब्सिडी देगी और बाकी रकम उन्हें लोन के रूप में लेनी चाहिए। ताकि बेटा या बेटी जेब में एक भी रुपया रखे बिना ई-बाइक टैक्सी ले सकें।' सरनाईक ने दावा किया, 'अकेले मुंबई महानगर क्षेत्र में 10,000 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी। पूरे महाराष्ट्र में 20,000 नौकरियां पैदा होंगी।'

मूर्तिजापुर में गिरफ्तारी की आशंका से रेल्वे टीसी ने की आत्महत्या

मुर्तिजापुर (संवाददाता)। घरेलू कलह से व्यथित रेलवे टिकट निरीक्षक सुमेध मेश्राम (40) ने 31 मार्च की रात ड्यूटी के दौरान आत्महत्या कर ली। उन्होंने तेज रफ्तार मालगाड़ी के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना से रेलवे प्रशासन, सहकर्मियों और परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, सुमेध मेश्राम मूर्तिजापुर रेलवे स्टेशन पर तैनात थे। हाल ही में उनके खिलाफ घरेलू विवाद को लेकर पुलिस शिकायत दर्ज हुई थी। इसी मामले में मुर्तिजापुर शहर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची थी, लेकिन ड्यूटी पर होने के कारण उनकी गिरफ्तारी ड्यूटी समाप्त होने के बाद की जानी थी। गिरफ्तारी की आशंका से मानसिक रूप से परेशान मेश्राम ने रात 8.30 बजे के बीच प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर अपनी जान देने का कठोर कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस दुखद घटना से सहकर्मियों और रेलवे कर्मचारियों में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महाबैंक ग्राहकों के लिए बढ़ती साइबर धोखाधड़ी से खुद को बचाने के लिए '5 टिप्स'

मुन्ना मुजावर

पुणेः डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ, साइबर अपराधी ग्राहकों को धोखा देने और उनकी संवेदनशील वित्तीय जानकारी चुराने के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। इसी के चलते सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (महाबैंक) ने ग्राहकों को बढ़ते साइबर अपराध से बचाने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही धोखाधड़ी की घटनाओं के प्रति सतर्क रहने की अपील की गई है।

आज के डिजिटल बैंकिंग युग में साइबर सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि साइबर अपराध की प्रकृति लगातार बदल रही है। बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता ग्राहकों को धोखाधड़ी, डेटा चोरी और ऑनलाइन कदाचार से बचाना है। महाबैंक उन्नत सुरक्षा प्रणालियों, धोखाधड़ी का पता लगाने की तकनीकों और ग्राहक जागरूकता पहलों के माध्यम से अपने ग्राहकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। महाबैंक ने कहा कि नए सुरक्षा उपायों को अपनाकर और सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा देकर, बैंक ग्राहकों को विश्वसनीय और सुरक्षित बैंकिंग अनुभव प्रदान कर रहा है।

महाबैंक की ओर से 5 सुझाव

1) फर्जी संदेशों से सावधान रहें। धोखेबाज फर्जी एसएमएस भेजकर यह दिखावा करते हैं कि आपका खाता ब्लॉक कर दिया गया है या आधार विवरण और केवाईसी को तुरंत अपडेट करने की आवश्यकता है। ये स्मिशिंग प्रकार हैं। वे आपको गोपनीय वित्तीय जानकारी साझा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ऐसे संदेशों का उत्तर न दें या किसी लिंक पर क्लिक न करें।

2) असत्यापित APK फ़ाइलें डाउनलोड न करें। अज्ञात स्रोतों से APK (एंड्रॉइड एप्लिकेशन) फ़ाइलें डाउनलोड न करें। क्योंकि इसमें मैलवेयर वायरस हो सकते हैं। इससे आपकी व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी खतरे में पड़ सकती है।

3) असत्यापित भुगतान लिंक पर क्लिक न करें। धोखेबाज भ्रामक लिंक भेजते हैं और उनमें भुगतान अनुरोध या तत्काल वित्तीय निर्देश होने का दिखावा करते हैं। ऐसे लिंक पर क्लिक करने से वित्तीय जानकारी और धन की हानि हो सकती है। कोई भी कार्रवाई करने से पहले ऐसे संदेशों की प्रामाणिकता सत्यापित कर लें।

4) फर्जी ग्राहक सेवा नंबरों से सावधान रहें। साइबर अपराधी ग्राहकों को धोखा देने के लिए गूगल सर्च, अज्ञात वेबसाइटों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी ग्राहक सेवा नंबर प्रकाशित करते हैं। कृपया ग्राहक सेवा संपर्क केवल आधिकारिक वेबसाइट से ही सत्यापित करें।

5) अपने खाते की लॉगिन जानकारी, कार्ड की जानकारी, पिन, पासवर्ड या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें।

सतारा जिले में चीनी उत्पादन में 19 लाख रुपये की गिरावट

मुन्ना मुजावर

साताराः जिले में मिलों का चालू गन्ना पेराई सत्र समाप्त हो गया है और जिले में 17 मिलों द्वारा 94 लाख 31 हजार 288 टन गन्ने की पेराई की गई है, जिसमें नौ सहकारी और आठ निजी मिलें शामिल हैं। पुणे चीनी आयुक्तालय ने बताया है कि जिले में 91 लाख 50 हजार 27 क्विंटल चीनी का उत्पादन हुआ है, जिसकी औसत

उपज 9.70 प्रतिशत है।पिछले साल 2023-24 का फसल सीजन 6 अप्रैल तक चला था। उस सीजन में जिले में 105,23,881 टन गन्ने की पेराई की गई थी और 10.49 प्रतिशत चीनी की उपज के साथ 110,34,568 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया गया था। इस वर्ष जिले में चीनी उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में 18 लाख 84 हजार 541 क्विंटल कम हुआ है।कुछ अपवादों को छोड़कर, जरंडेश्वर (गुरु कमोडिटी), एक निजी कारखाना जो शुरू से ही प्रथम स्थान पर रहा है, ने गन्ना पेराई में अपनी बढ़त बरकरार रखी है। कृष्णा सहकारी शक्कर कारखाना ने चीनी उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उत्पादन के मामले में रयात सहकारी चीनी कारखाना 12.08 प्रतिशत उत्पादन के साथ अग्रणी रहा

जिले में सहकारी चीनी मिलों ने 44,83,455 टन गन्ने की पेराई करके 11.50 प्रतिशत की औसत उपज पर 51,56,942 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है, जबकि निजी मिलों ने 49,47,833 टन गन्ने की पेराई करके 8.07 प्रतिशत की औसत उपज पर 39,93,085 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है।

पिछले वर्ष गन्ना उगाने वाले किसानों को गन्ने का 100 रुपये प्रति टन अधिक मूल्य दिया गया था। साथ ही, पिछले कई वर्षों से किसानों के पंजीकृत क्षेत्र में एक भी गन्ना पेराई से अछूता न रहे, इसके लिए अनुकरणीय कार्यवाही कर रही अजिंक्यतारा फैक्ट्री ने समय पर सभी पंजीकृत क्षेत्रों में गन्ने की पेराई पूरी कर ली है। इस आगामी सत्र में भी आदर्श कार्य पद्धति को सख्ती से लागू किया जाएगा। -जीवाजी मोहिते, कार्यकारी निदेशक, अजिंक्यतारा सहकारी शक्कर कारखान

मेडिक्लेम पॉलिसी से प्राप्त राशि चिकित्सा व्यय के मुआवजे की राशि से नहीं काटा जा सकता - बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबईः बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत किसी व्यक्ति की ओर से प्राप्त राशि को मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत चिकित्सा व्यय के लिए दावेदार को देय मुआवजे की राशि से नहीं काटा जा सकता है। जस्टिस एएस चंदुरकर, जस्टिस मिलिंद जाधव व जस्टिस गौरी गोडसे की पूर्ण पीठ ने 28 मार्च को फैसले में कहा कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत प्राप्त राशि दावेदार की ओर से बीमा कंपनी के साथ किए गए अनुबंध के मद्देनजर प्राप्त की जाती है। इसलिए मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत दावेदार की ओर से प्राप्त किसी भी राशि की कटौती पूर्ण पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों दावा न्यायाधिकरण को न सिर्फ का हवाला देते हुए कहा कि मोटर दुर्घटना उचित मुआवजा देने का अधिकार है, बल्कि यह उसका कर्तव्य भी है। प्रीमियम का भुगतान करने के बाद, यह स्पष्ट था कि लाभकारी राशि या तो पॉलिसी की परिपक्वता पर या मृत्यु पर, चाहे मृत्यु का तरीका कुछ भी हो, दावेदार के हिस्से में आएगी। अदालत ने कहा, उल्लंघनकर्ता मृतक की दूरदर्शिता और बुद्धिमानी से किए गए वित्तीय निवेश का फायदा नहीं उठा सकता। यह कानून की स्थापित स्थिति है। बीमा कंपनी ने दावा किया कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत प्राप्त बीमा राशि में चिकित्सा व्यय भी शामिल है। कंपनी ने कहा कि यह दोगुना मुआवजा होगा। स्वीकार्य नहीं होगी। विभिन्न एकल व खंडपीठों के अलग-अलग विचार रखने के बाद इस मुद्दे को पूर्ण पीठ के पास भेज दिया गया था।

रास नहीं आई हरकत

कलाकारों को फर्श से अर्श पर पहुंचाने वाले फैंस अकसर अपने पसंदीदा कलाकारों की छोटी से छोटी बातों पर नजर रखते हैं। अपने मनपसंद कलाकार की बात या हरकत पसंद न आने पर वो उन्हें खरी-खोटी सुनाने से भी बाज नहीं आते। सोशल मीडिया पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए सलमान खान अपनी 'सिकंदर' को-स्टार रश्मिका मंदाना का हाथ पकड़कर उन्हें गाड़ी से खींचते हुए बाहर निकाल रहे हैं। वीडियो में पैपराजी को बड़े ही गुरूर से पोज देनेवाले सलमान रश्मिका को अपना हाथ देकर बाहर निकलने में मदद करने की बजाय उन्हें खींचते हुए बाहर निकालते हैं, जिससे उनका संतुलन गड़बड़ा जाता है। किसी तरह खुद को संभालने के बाद सलमान के साथ पोज देनेवाली रश्मिका के इस वीडियो को देखने के बाद एक यूजर ने लिखा, 'यह क्या बदतमीजी है।' दूसरे ने लिखा, 'पुष्पा किधर है तू।' एक ने लिखा, 'इसीलिए हीरोइनें इसके साथ काम नहीं करतीं।'

माही के घुटने ने दिया जवाब

एमएस धोनी को पिछले दिनों अपने बैटिंग क्रम के कारण खूब ट्रोल होना पड़ा है। पिछले मैच में नौवें क्रम पर बैटिंग करने आए थे, जिसे सीएसके की हार का मुख्य कारण बताया गया था, वहीं राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में धोनी सातवें क्रम पर बैटिंग करने आए, लेकिन टीम को 6 रनों की हार से नहीं बचा पाए। धोनी पिछले सीजन भी निरंतर 7-8 नंबर पर बैटिंग करते देखे गए थे। बैटिंग क्रम को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि माही के घुटने अब जवाब देने लगे हैं और उनके लिए निरंतर 10 ओवरों तक बैटिंग कर पाना संभव नहीं है। यह

उनके निचले क्रम पर बैटिंग करने का एक मुख्य कारण है। धोनी की उम्र 43 वर्ष हो गई है और बैटिंग के समय बहुत कम गेंद खेलते हैं।

भाषा के नाम पर हिंसा, लोकतंत्र को ठेंगा - क्या कानून के घेरे में आएंगे राज ठाकरे?

'बोलो मराठी, वरना मार खाओ', मनसे की खुली गुंडागर्दी!

राज ठाकरे पर भी हो कानूनी कार्रवाई

विशेषज्ञों का मानना है कि नफरत फैलाने वाले भाषण देकर कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राज ठाकरे जैसे नेताओं के भड़काऊ बयानों से समाज में वैमनस्यता फैल रही है, जिससे संविधान और कानून की अवहेलना हो रही है। कानूनी जानकारों के अनुसार, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(a) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह स्वतंत्रता हिंसा भड़काने या किसी विशेष वर्ग को निशाना बनाने की अनुमति नहीं देती। ऐसे में राज ठाकरे पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

क्या सरकार सख्त कदम उठाएगी?

महाराष्ट्र सरकार और पुलिस प्रशासन पर यह जिम्मेदारी है कि संविधान की रक्षा करते हुए कानून को हाथ में लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो यह महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर एक काला धब्बा होगा। अब सवाल यह है कि क्या सरकार मनसे कार्यकर्ताओं और उनके नेता राज ठाकरे पर सख्त कार्रवाई करेगी या फिर राजनीति के चलते इस मामले को दबाने की कोशिश होगी?

मुंबई । महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे द्वारा गुड़ी पड़वा रैली में दिए गए भाषण के बाद राज्य में

माहौल गरमा गया है। राज ठाकरे ने अपने संबोधन में कहा कि 'महाराष्ट्र में रहना है तो मराठी आना ही चाहिए,' जिसके बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने इस बयान को हथियार बनाते हुए आक्रामक रुख अपना लिया। ताजा घटना में, मनसे कार्यकर्ताओं ने एक उत्तर भारतीय युवक की सिर्फ इसलिए पिटाई कर दी क्योंकि वह मराठी नहीं बोल सका। यह घटना न केवल संविधान के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है बल्कि महाराष्ट्र में बढ़ती असहिष्णुता को भी दर्शाती है। राज ठाकरे के बयान के बाद मनसे कार्यकर्ताओं ने 'मराठी नहीं आती, तो पिटाई होगी' जैसी मानसिकता के साथ लोगों को डराना-धमकाना शुरू कर दिया। मुंबई, ठाणे और पुणे समेत कई जगहों पर उत्तर भारतीय समुदाय के लोगों में भय का माहौल देखा जा रहा है। कानून हाथ में लेने वाले इन कार्यकर्ताओं पर अभी तक कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या महाराष्ट्र सरकार इस अराजकता पर लगाम लगाने में सक्षम है?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आरिफ नसीम खान ने कहा कि भाषा के नाम पर यह सरासर गुंडागर्दी है। महानगर पालिका चुनाव को नजदीक देखकर इस तरह के प्रांत के नाम भेदभाव करना पूरी तरह से गलत है। सरकार को इस पर सख्त कदम उठाना चाहिए। पिछली बार जिस तरह सरकार ने कार्यवाही की थी उसी तरह से इनके प्रमुख नेताओं को कटघरे में खड़ा करना चाहिए।

'इफ्तारी' के लिए फल बांटने को लेकर दो लोगों में तीखी बहस; चाकू से हमला एक व्यक्ति की मौत

मुंबई : ओशिवरा में इसी त्योहार के दौरान एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। दरअसल, ओशिवारा के जोगेश्वरी पश्चिम में रविवार शाम 'इफ्तारी' के लिए फल बांटने को लेकर दो लोगों में तीखी बहस हो गई। कुछ देर बाद बहस इतनी बढ़ गई कि मृतक मोहम्मद कैफ रहीम शेख पर जफर फिरोज खान और उसके साथियों ने हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि । बहस के दौरान शेख ने खान को थप्पड़ मारा था। दोनों बच्चों के लिए कपड़े बनाने वाली एक दुकान में काम करते हैं। इसके कुछ देर बाद खान अपने दोस्तों के साथ लौटा और शेख पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। मुंबई के मलाड पूर्व इलाके में रविवार को गुढ़ी पाड़वा के दिन शाम को कलश यात्रा से घर लौट रहे दो लड़कों की भगवा झंडा लहराने पर पिटाई कर दी गई जिससे इलाके में तनाव फैल गया है। आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद दोनो पर एक विशेष समुदाय के लोगों ने हमला बोल दिया। इस मामले में पुलिस ने 9 से 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ दंगा फैलाने और धार्मिक भावना आहत करने का मामला दर्ज किया है। वहीं, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।शिवसेना प्रवक्ता संजय निरूपम ने दावा किया कि विशेष समुदाय के लोगों ने लड़कों से पिटाई के बाद भगवा झंडा छीन लिया। पुलिस ने जिहादी प्रवृत्ति के हमलावरों को पकड़ने की बजाए लड़कों को थाने ले गए। उसके बाद पीड़ित युवक को जोगेश्वरी स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। इस मामले में पुलिस ने अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है लेकिन तीन-चार लोगों को हिरासत में लिया है।

बीवी ने अपने ही शौहर के कारनामों का खुलासा करते हुए उसे पहुंचा दिया जेल

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है. यहां एक बहादुर बीवी ने अपने ही शौहर के कारनामों का खुलासा करते हुए उसे जेल पहुंचा दिया. जानकारी के अनुसार, आरोपी दूसरी महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था. उनके साथ बलात्कार करता. इसके बाद अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे ऐंठता था. इन सबके साथ ही वो अपनी बीवी को अक्सर प्रताड़ित करता रहता था.लेकिन इन सबके बावजूद महिला ने हार नहीं मानी और वो अपनी पति की असलीयत सबके सामने लेकर आई.

महिलाओं को झूठ बोलकर फंसाता था आरोपी

जानकारी के मुताबिक, आरोपी का नाम अब्दुल शारिक कुरैशी (32) है, जो कि नागपुर के टेक बाजार इलाके में पान की दुकान चलाता था. जानकारी के मुकाबिक, वो बहुत शातिर और हैवान है और वो अपने बीवी के साथ अक्सर मारपीट करता था. उसके साथ जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाने की कोशिश करता था. इन सबके बाद भी वो पराई महिलाओं को जाल में फंसाकर उनका यौन शोषण करता था. पीड़ित महिला ने बताया कि उसके पति के निशाने पर ज्यादातर दूसरे धर्म की महिलाएं रहती थीं. वो उन्हें गुमराह करने के लिए झूठ बोलता था.

महिला ने खोली पोल

24 वर्षीय पीड़ित महिला को अपने शौहर की हरकतों पर शक होने लगा. उसने अपने एक रिश्तेदार की मदद से उसके फोन को क्लोन करके उसका व्हाट्सऐप को हैक कर लिया. इसके बाद महिला ने जो पोन में देखा वो देखकर वो हैरान हो गई. व्हाट्सऐप चेक किया तो उसे पता चला कि आरोपी के कई महिलाओं से संबंध हैं. इनमें नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं. आरोपी अपनी पहचान छुपाकर दूसरी महिलाओं के सामने अलग-अलग नामों से जाता था. उनसे कहता था कि वो अविवाहित है. महिलाएं उसकी जाल में फंस जाती थी. इसके बाद वो उनको अलग-अलग होटलों में लेजाकर उनके साथ बलात्कार करता था. आरोपी लड़कियों के अश्लील वीडियो भी बना लेता था. जिसके जरिए ब्लैकमेल करते हुए उनसे पैसे मांगता था. इसके बाद महिला ने कुछ महिलाओं से संपर्क कर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

राज्य में औसतन 5.95% बढ़ी रेडीरेकनर दरें, निवेशकों की बढ़ेगी चिंता

नगर निगमों में संपत्ति दरों में वृद्धि, आम जनता पर पड़ेगा असर

राज्य के पंजीयन महानिरीक्षक और पंजीयन नियंत्रक के आदेशानुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 के बाद राज्य में संपत्ति की खरीद-फरोख्त 1 अप्रैल से महंगी हो जाएगी। राज्य के रेडीरेकनर दरों में औसतन 5.95इ की वृद्धि की गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि 3.36इ होगी। ये नए दरें 1 अप्रैल से लागू होंगी। राज्य की 28 नगर निगमों की तुलना में सोलापुर नगर निगम क्षेत्र में रेडीरेकनर दरों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि के कारण संपत्ति खरीदने और बेचने की लागत बढ़ जाएगी।

मुद्रांक शुल्क से अब तक की सबसे ज्यादा कमाई

मुद्रांक शुल्क विभाग को 2024-25 के वित्तीय वर्ष की शुरुआत में 50,000 करोड़ रुपये की आय का लक्ष्य दिया गया था,

जिसे बाद में 5,000 करोड़ रुपये बढ़ाया गया। इसके बावजूद, राज्य में 29 लाख संपत्ति लेन-देन के माध्यम से कुल 57,442 करोड़ रुपये का मुद्रांक शुल्क प्राप्त हुआ है। यह अब तक की सबसे अधिक संग्रहित मुद्रांक शुल्क की राशि है।

नगर निगम वार रेडीरेकनर दरों में वृद्धि

सोलापुर - 10.17%	मालेगांव - 4.88%
ठाणे - 7.72%	धुले - 5.07%
मीरा-भाईंदर - 6.26%	जलगांव - 5.81%
कल्याण-डोंबिवली - 5.84%	अहिल्यानगर - 5.41%
नवी मुंबई - 6.75%	छत्रपति संभाजीनगर - 3.53%
उल्हासनगर - 9%	नांदेड-वाघाला - 3.18%
भिवंडी-निजामपुर - 2.50%	लातूर और जालना - 4.01%
वसई-विरार - 4.50%	परभणी - 3.71%
पनवेल - 4.97%	अमरावती - 8.03%
पुणे - 4.16%	अकोला - 7.39%
पिंपरी-चिंचवड़ - 6.69%	नागपुर-एनएमआरडीए - 4.23%
सांगली-मिरज- कुपवाड़ - 5.70%	और 6.60%
कोल्हापुर - 5.01%	चंद्रपुर-एमएचएडीए - 2.20%
इचलकरंजी - 4.46%	और 7.30%
नासिक - 7.31%	

इस वृद्धि के चलते संपत्ति की खरीद-फरोख्त पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ सकता है, जिससे आम जनता और निवेशकों को अधिक खर्च करना पड़ेगा।

कोर्ट ने 32 साल बाद सुनाया बड़ा फैसला, साजिशकर्ता टाइगर मेमन को लगा झटका

मुंबई: 1993 में सिलसिलेवार बम धमाकों से मुंबई दहल गई थी। इस हादसे के घाव आज भी है। इस हमले के साजिशकर्ता टाइगर मेमन को लेकर मुंबई की एक विशेष अदालत ने बड़ा फैसला दिया है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने आदेश दिया कि महानगर में 1993 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के कथित मुख्य साजिशकर्ता में से एक टाइगर मेमन तथा उसके परिवार की 14 संपत्तियां केंद्र सरकार को सौंपी जाएंगी। आतंकवादी और विध्वंसकारी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम-1987 (ॐॐ) अदालत के आदेश के बाद ये संपत्तियां 1994 से बंबई उच्च न्यायालय के 'रिसीवर' के कब्जे में थीं।

टाइगर मेमन की 14 संपत्तियों में बांद्रा (पश्चिम) की एक इमारत में एक फ्लैट, माहिम में एक कार्यालय परिसर, माहिम में एक भूखंड, सांताक्रूज (पूर्व) में एक भूखंड और एक फ्लैट, कुर्ला की एक इमारत में दो फ्लैट, मोहम्मद अली रोड पर एक कार्यालय, डोंगरी में एक दुकान और भूखंड, मनीष मार्केट में तीन दुकानें और मुंबई की शेख मेमन स्ट्रीट पर स्थित एक इमारत शामिल है।

1993 के सिलसिलेवार 13 बम धमाकों में गई थी 257 लोगों की जान

मुंबई के अलग-अलग इलाकों में 12 मार्च 1993 को हुए सिलसिलेवार 13 बम धमाकों में 257 लोगों की जान चली गई थी और 700 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। बाद में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी।

पिछले सप्ताह 26 मार्च को पारित एक आदेश में विशेष टाडा अदालत के न्यायाधीश वी.डी. केदार ने कहा कि 'अचल संपत्तियों का कब्जा केंद्र सरकार को सौंप दिया जाना चाहिए।' आदेश में कहा गया कि केंद्र को सौंपी जाने वाली संपत्तियां ऋणभार से मुक्त हैं और इस तरह सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से केंद्र सरकार 14 अचल संपत्तियों पर कब्जा पाने की हकदार है।

तस्कर और विदेशी मुद्रा छलसाधक (संपत्ति समपहरण) अधिनियम के तहत सक्षम प्राधिकारी ने संपत्तियों को छोड़ने की मांग की थी। याचिका में कहा गया कि उपरोक्त अधिनियम का कार्य विदेशी मुद्रा छलसाधक और मादक पदार्थों के तस्करों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों का पता लगाना और केंद्र सरकार को उन्हें जब्त करने का आदेश देना है।

3,000 अस्थायी सुरक्षा गार्डों के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी

मुंबई: महाराष्ट्र में खासकर मुंबई की बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में पुलिस कर्मियों की संख्या बेहद कम है। मुंबई पुलिस में हजारों पद रिक्त हैं। जबकि स्थायी भर्ती की प्रक्रिया बेहद धीमी गति से चल रही है। ऐसे में कम संख्या बल के कारण पुलिस को कानून और व्यवस्था बनाए रखने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने बड़ा फैसला किया है। राज्य की कानून व्यवस्था को बनाए बनाए रखने के लिए फडणवीस सरकार ने बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय में वर्तमान में कार्यरत 3,000 अस्थायी सुरक्षा गार्डों के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में गृह विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है।

बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय में 40,623 पद स्वीकृत

बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय में पुलिस कांस्टेबल से सहायक पुलिस उपनिरीक्षक संवर्ग तक कुल 40,623 पद स्वीकृत किए गए हैं। हालांकि, इनमें से पुलिस कांस्टेबल संवर्ग में लगभग 10,000 पद रिक्त हैं। इससे पुलिस पर काफी दबाव पड़ रहा है। सरकार द्वारा 21 जनवरी, 2021 को जारी निर्णय के अनुसार, उसने बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय के लिए 7,076 पुलिस कांस्टेबल और 994 पुलिस चालक संवर्ग के पदों को भरने की मंजूरी दी थी। उक्त भर्ती प्रक्रिया जारी है। फिर भी करीब 3,000 पद रिक्त रह गए हैं।

अस्थायी पदों के लिए 11 महीने का विस्तार

इन रिक्तियों से उत्पन्न अंतराल को भरने के लिए महाराष्ट्र राज्य सुरक्षा निगम द्वारा 3,000 अस्थायी पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की गई थी। अब राज्य सरकार ने इस जनशक्ति का कार्यकाल 11 महीने बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे मुंबई पुलिस को अस्थायी राहत मिलेगी और उन्हें अपने दैनिक कार्यों और सुरक्षा जिम्मेदारियों को पूरा करने में मदद मिलेगी। पुलिस अधिकारियों ने गृह विभाग के इस निर्णय का स्वागत किया है।

17 वर्षीय किशोरी ने प्रेमी द्वारा आत्महत्या करने के बाद कर ली आत्महत्या

पालघर : एक चौंकाने वाली घटना में, एक 17 वर्षीय किशोरी ने अपने 24 वर्षीय प्रेमी द्वारा आत्महत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। यह घटना महाराष्ट्र के पालघर जिले में शनिवार रात को हुई। लड़की ने लड़के के साथ जाने से इनकार कर दिया, उसने रविवार रात को फांसी लगा ली। प्रेमी की मौत से सदमे में लड़की ने भी अपनी जान दे दी। 24 वर्षीय लड़का निजी कंपनी में काम करता था। दोनों ने एक साल तक एक-दूसरे को डेट किया। लड़का नायगांव पूर्व के कोल्ही गांव के आशा नगर का रहने वाला था। 17 वर्षीय लड़की जूनियर कॉलेज की छात्रा थी।प्रेमी लड़की पर अपने माता-पिता को छोड़ने और उसके साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का दबाव बना रहा था। मामले के बारे में बात करते हुए, नायगांव पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक शैलेंद्र पाटिल ने मीडिया हाउस को बताया, 'उसके परिवार ने उसे सांत्वना देने की कोशिश की, लेकिन वह बेसुध रही। वह अपने प्रेमी की आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थी और अपराध बोध को सहन नहीं कर पा रही थी।'

बीएमसी वसूलेगी रेजिड़ेंशियल और कमर्शियल संस्थानों से कचरा शुल्क

मुंबई : बीएमसी जल्द ही घरों, होटलों, मैरिज हॉल, एग्ज़िबिशन सेंटर, कॉफी शॉप, ढाबा, गेस्ट हाउस, बैंक, कोचिंग क्लासेस, क्लिनिक, डिस्पेंसरी, कोल्ड स्टोरेज, फेस्टिवल हॉल सहित अन्य रेजिड़ेंशियल और कमर्शियल संस्थानों से कचरा शुल्क वसूलेगी। यह शुल्क 100 से 7500 रुपये प्रति माह तक हो सकता है। इसके लिए बीएमसी ने ड्रॉफ्ट तैयार किया है। इस ड्रॉफ्ट में कचरा शुल्क के अलावा गंदगी फैलाने पर जुर्माने की राशि में बढ़ोतरी का भी प्रावधान है। बीएमसी ने ड्राफ्ट जारी करते हुए लोगों से इस पर 1 अप्रैल से 31 मई 2025 तक राय मांगी है। बीएमसी को कचरा शुल्क से हर साल 687 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया, अभी मुंबई में बीएमसी प्रति व्यक्ति हर साल कचरा सफाई पर 3141 रुपये खर्च कर रही है, जो देश में सर्वाधिक है।

कानून बना तो मुंबईकरों को हर माह देना होगा इतना शुल्क

- 50 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल वाले घर - 100 रुपये
- 50 वर्ग मीटर से अधिक 300 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल वाले घर - 500 रुपये
- 300 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले वाले घर - 1000 रुपये
- व्यावसायिक प्रतिष्ठान, दुकानें, खाने-पीने के स्थान (ढाबा/मिठाई की दुकानें/कॉफी हाउस आदि)- 500 रुपये
- गेस्ट हाउस - 2000 रुपये
- हॉस्टल -750 रुपये
- होटल-रेस्टोरेंट (अतारांकित) - 1500 रुपये
- होटल रेस्टोरेंट (3 स्टार तक)- 2500 रुपये
- होटल रेस्टोरेंट (3 स्टार से अधिक)- 7500 रुपये
- कमर्शियल ऑफिस, सरकारी ऑफिस, बैंक, बीमा ऑफिस, कोचिंग क्लास, शिक्षा संस्थान आदि - 750 रुपये
- क्लीनिक, डिस्पेंसरी (50 बेड तक) - 2000 रुपये
- लैब (50 वर्ग मीटर तक) - 2500 रुपये
- क्लीनिक, डिस्पेंसरी (50 बेड से अधिक) - 4000 रुपये
- लैब (50 वर्ग मीटर तक) - 5000 रुपये
- लघु एवं कुटीर उद्योग कार्यशालाएं (प्रतिदिन 10 किग्रा तक निकलने वाले कचरे) - 1500 रुपये
- गोदाम, कोल्ड स्टोरेज - 2500 रुपये
- मैरिज, फेस्टिवल हॉल, प्रदर्शनी एवं मेला (3000 वर्ग मीटर तक) - 5000 रुपये
- मैरिज, फेस्टिवल हाल, प्रदर्शनी एवं मेला (3000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल) - 7500 रुपये

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल: हिंदू मुस्लिम एकता के साथ टीपू भाई पठान और फ्रेंड सर्कल ने मनाया ईद मिलन का समारोह

समाजसेवक टीपू पठाण के ईद मिलन कार्यक्रम में मशहूर कव्वाल अजीम नाज़ा ने बांधा शमा

मुन्ना मुजावर

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसालः हिंदू मुस्लिम एकता के साथ टीपू भाई पठान और फ्रेंड सर्कल ने मनाया ईद मिलन का समारोह

पुणे हड़पसर के सय्यद नगर इलाके में टीपू भाई पठान और फ्रेंड सर्कल ने आज ईद के दिन ससाने लांस में एक भव्य ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम टीपू भाई पठान के संयोजन में आयोजित किया यह कार्यक्रम आयोजित करने का तीसरा साल है इस कार्यक्रम में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

समारोह में सभी आगंतुकों को फल, सेवई, शिरखुरमा ,मिष्ठान और जलपान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि दोनों समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

इसमें हिंदुस्थान के मशहुर कवाल फनकार अजीम नाझा (मुंबई) इस कार्यक्रम में उनका कव्वाली का प्रोग्राम आयोजित किया गया था अजीम नाझा की मेरा टिपू शेरे मैसूर और ख्वाजा तेरे बस्ती में रहमत बरसती यह दोनों

कव्वाली की धूम रही। लोगों ने अजीम नाझा के कव्वाली को सुनाकर समा बांध दिया

इस कार्यक्रम में प्रमुख नेता शिव सेना (एकनाथ शिंदे गुट) के पूना शहर अध्यक्ष प्रमोद नाना भांनगिरे ने खास अपनी उपस्थित लगाकर कार्यक्रम में रौनक बढ़ाई

और प्रमोद नाना भांनगिरे ने हमारे संवादाता मुन्ना मुजावर से बात कर थे वक्त कहा कि ईद आपसी भाईचारा, प्रेम और सौहार्द्र का संदेश देता है। यह सिर्फ त्योहार नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। हमें एकता के साथ समाज को सशक्त बनाने का प्रयास करना चाहिए।

इस मौके पर मशहूर फनकार अजीम नाझा ने भी अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि रोज़ा रखने का मतलब केवल भूखा प्यास रहना नहीं बल्कि रोजेदार के शरीर के हर अंग का रोजा होता है। उन्होंने कहा कि भारत के लोग भाग्यशाली हैं जिनको दुनिया के सारे त्योहार मनाने को मिलते हैं।

इए कार्यक्रम में कई प्रमुख नेताओं और समाज सेवियों और दोस्त आहेबाब ने शिरकत की। और कार्यक्रम में चार चांद लगाए

महाराष्ट्र में हाथ भट्ठी शराब पर पाबंदी के बवजूद कैसे बिक रही है पुणे में हाथ भट्ठी शराब

पुणे शहर में अवैध धंधों को पूर्णतः समाप्त कर उन पर नियंत्रण करना। पुलिस कमिश्नर सो, पुणे शहर के आदेशानुसार एवं 31/03/2025 को रमज़ान के त्योहार के अनुसार, पुणे शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने

और अवैध गतिविधियों को तुरंत रोकने और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के लिए, हम अपने उपलब्ध निजी दोपहिया वाहनों से लगभग 11/45 बजे वनवाडी पुलिस स्टेशन अंकित सुरक्षानगर पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र में गोसावी वस्ती, हडपसर, पुणे आए। महिला पुलिस हवा 6198 ताकवाले को एक गोपनीय मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि एक आईएमयू गोसावी वस्ती, हडपसर, पुणे में अपने कब्जे में हाथ से बनी शराब बेच रहा है। ऐसी खबर तो मिली होगी. इसकी सूचना वरिष्ठों को देने के बाद वरिष्ठों द्वारा दिए गए निर्देशानुसार चौकी के स्टाफ के साथ छापेमारी अभियान के लिए आवश्यक सामग्री के साथ हम पुलिस स्टाफ और पंच के रूप में सुबह 11/45 बजे अचानक उक्त स्थान पर पहुंचे और उक्त शराब विक्रेता इस्मास को पकड़ लिया और उसका नाम-पता पूछा। बिराजदारनगर गली नं. 3 जूना म्हाडा, हडपसर, पुणे के पास होना बताया गया है। उस समय उसके हाथ में मौजूद नायलॉन बैग का निरीक्षण करने पर उसमें गवथी हाटभट्ठी शराब पाई गई और उससे इसके बारे में पूछा गया, तो उसने बताया कि उक्त शराब बिक्री के लिए लाया गया था। साथ ही जब साथ आए कर्मचारियों ने शेड के पीछे जाकर उक्त कागज का निरीक्षण किया तो बेडशीट के नीचे छिपाकर रखी गई 35 लीटर की रेडीमेड हाथ भट्ठी, शराब से भरा हाथी केन, कुल 12 केन, कुल 12 रुपए का सामान बरामद हुआ। 45,350/- रुपये नकद। आ गया है

उक्त कार्यवाही श्रीमान श्री. राजकुमार शिंदे, पुलिस उपायुक्त सो, सर्कल 05 पुणे शहर, श्री धन्यकुमार गोडसे, छह। पुलिस उपायुक्त, वानवाड़ी डिवीजन, पुणे शहर और श्री सत्यजीत एडम, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, वानवाड़ी पीओ। स्टी. पुणे शहर के निर्देश और मार्गदर्शन में सुरक्षानगर पुलिस चौकी प्रभारी अविनाश शिंदे पुलिस उपनिरीक्षक और छह पुलिस उपनिरीक्षक किशोर राणे एम.पी.ओ. हवा 6198 रूपाली ताकवाले, एम. पी.ओ. उम्म. 4259 मंगल पारधी, पी.ओ. 92 सोनापसरे, पी.ओ. उम्म. 7408 महेश माने द्वारा किया गया। उक्त अपराध की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक अविनाश शिंदे स्वयं कर रहे हैं.

पुणे के गरीब नवाज मस्जिद हांजेवाडी रोड पर धूमधाम से मनाया गया ईद उल फितर का त्योहार

मुन्ना मुजावर

ईद उल फितर सोमवार को धूमधाम से मनाई गई। रमजान के तीस रोजों के बाद, गरीब नवाज मदरसा और

मस्जिद हांडेवाडी रोड ईदगाह में सामूहिक नमाज अदा की गई। मौलाना तौफीक ने खुशहाली की दुआ की। नमाज के बाद...

ईद उल फितर सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तीस दिन तक रोजों के साथ माहे रमजान रविवार को विदा हुआ। गरीब नवाज मस्जिद और मदरसा हांडेवाडी रोड ईदगाह में सुबह ईद की सामूहिक नमाज हुई। गरीब नवाज ईदगाह में मौलाना तौफीक ने ईदगाह पर नमाज अदा कराई। गरीब नवाज मदरसा और मस्जिद और ईदगाह पर सुबह 9 बजे ईद की सामूहिक नमाज हुई। मौलाना तौफीक की ओर से मुल्क में अमन, चैन खुशहाली की दुआ की गई और नमाज अदा कराई। ईद की नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिनकर ईद की मुबारकबाद दी । बता दे कि रविवार को ही फोन, सोशल मीडिया पर ईद की मुबारकबाद देने का सिलसिला शुरु हो गया था। ईद उल फितर सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तीस रोजों के साथ माहे रमजान रविवार को को विदा हो गया। मस्जिदों में एतकाफ की इबादत पूर्ण हो गई।

ईदगाह में मौलाना तौफीक ने जब यह दुआ करवाई तो हर तरफ से उठने वाली आमीन की आवाज ने माहौल को रुहानियत से भर दिया। नमाज से पहले मौलाना ने कुरआन और हदीस पर केंद्रित तकरीर की। नमाज के बाद खुतबा (धार्मिक प्रवचन) हुआ, उसके बाद दुआ हुई। इसके बाद लोग एक दूसरे से गले लगकर ईद की मुबारकबाद देते हुए घरों की तरफ रवाना हुए। ईद के पर्व को लेकर कालेपदल पुलिस प्रशासन की ओर से भी कड़े

इंतजाम किए गए थे. मौलाना तौफीक ने पुलिस प्रशासन शुक्रिया अदा किया हड़पसर और सय्यद नगर और कोंडवा पर बड़ी ईदगाह और मस्जिदों में सुबह ईद की सामूहिक नमाज हुई। हड़पसर के नालबंद और आलमगीर मस्जिद और सय्यद नगर का ईदगाह मैदान और यूसुफिया मस्जिद और कोंडवा पर बड़ी ईदगाह और मस्जिदों में सुबह ईद की सामूहिक नमाज हुई।

तलेगांव स्टेशन पर कंटेनर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः किराने का सामान लेने जा रहे बाइक सवार युवक को कंटेनर ने टक्कर मार दी। सिर पर चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हुए बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह दुर्घटना तालेगांव स्टेशन के पास वडगांव-तलेगांव रोड पर हुई। मृतक बाइक सवार की पहचान निखिल रामदास नानावरे (30, निवासी मालथान, तहसील फलटण, जिला सतारा) के रूप में हुई है।

पुलिस ने चंद्रप्रकाश रामकृपाल यादव (28, निवासी सुल्तानपुर, जिला प्रीतिपुर, उत्तर प्रदेश) के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस संबंध में दत्तात्रय किसन राऊत (34, निवासी भिसे कॉलोनी, वराले, ताल. मावल) ने तलेगांव दाभाडे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता दत्तात्रेय का साला निखिल नानावरे दो दिन पहले काम की तलाश में शिकायतकर्ता दत्तात्रेय के पास रहने आया था। इस बीच, रविवार रात निखिल किराने का सामान खरीदने के लिए घर से निकला। उस समय चंद्रप्रकाश यादव ने अपने कब्जे में लिए कंटेनर को वडगांव-तलेगांव रोड पर तेज गति से चलाया और निखिल के दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। कंटेनर की चपेट में आने से निखिल के सिर पर गंभीर चोट आई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उपचार से पहले ही निखिल को मृत घोषित कर दिया।

पीछा किया और पकड़ा गया

दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक चंद्रप्रकाश यादव बिना रुके मौके से फरार हो गया। उसे पकड़ लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया।

परिवार सदमे में आ गया।

निखिल रात करीब 9 बजे किराने का सामान खरीदने के लिए घर से निकला। तभी करीब साढ़े नौ बजे निखिल के फोन से उसकी बहन मोनिका के फोन पर कॉल आई। उन्हें बताया गया कि निखिल का एक्सीडेंट हो गया है। निखिल की बहन मोनिका और परिवार के लिए यह बड़ा झटका था।

पुणे के पूर्व मेयर दत्तात्रेय धनकवड़े के बंगले के सामने नारियल, नींबू रखने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया

मुन्ना मुजावर

पुणेः एक घटना घटी है जिसमें एक महिला ने पुणे के धनकवड़े स्थित पूर्व महापौर और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विश्वस्त सहयोगी दत्तात्रेय धनकवड़े के बंगले के सामने नारियल, नींबू और काला जीरा रखा। इस घटना में जादू-टोना निवारण अधिनियम, 2013 की धारा 3 के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में विवेक

नामदेव पाटिल ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, पिछले चार महीनों से एक महिला धनकवाड़ी क्षेत्र में कई स्थानों पर अमावस्या के दिन कई घरों के सामने नारियल, दूध चावल, उबले अंडे, नींबू और काली मिर्च रखती है। शनिवार 29 तारीख को अमावस्या के दिन दत्तात्रेय धनकवड़े के घर के सामने भी ऐसी ही घटना घटी। उन्होंने बताया कि नागरिकों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया और सहकारनगर पुलिस ने उसके खिलाफ जादू टोना निवारण अधिनियम, 2013 की धारा 3 के तहत मामला दर्ज कर लिया है तथा महिला से पूछताछ की जा रही है।

सासवड़ में बच्चों को खेलते समय मिला पांच तोले का गहना ईमानदारी से वापस कर दिया गया

मुन्ना मुजावर

सासवडः जब दो छोटे छात्र बाहर खेल रहे थे, तो उन्होंने एक चमकीली पीली गेंद देखी। वे माला घर ले आए, अपने माता-पिता को दी और कहा कि उन्हें यह खेलते समय मिली थी। लेकिन जब माता-पिता ने यह हार देखा तो वे चौंक गये। क्योंकि हार नकली नहीं था, बल्कि असली सोने से बना था। मोहनमल सोने का आभूषण था। इसकी कीमत साढ़े चार लाख से अधिक थी। इन माता-पिता ने ईमानदारी से यह आभूषण सासवड़ पुलिस स्टेशन में लाकर जमा करा दिया। सासवड पुलिस ने उन्हें समझाकर आभूषण मूल मालिक को लौटा दिए।

इस बारे में विस्तृत जानकारी यह है कि सासवड़ नगर पालिका के पूर्व नगरसेवक जितेंद्र उर्फ सोनू काका जगताप का घर सासवड़ क्षेत्र के प्राचीन कुञ्जीरवाड़ा के पास स्थित है। चूंकि स्कूल में अभी छुट्टियां चल रही हैं, इसलिए उनके दो छोटे बच्चे, वरुण प्रदीप जगताप (उम्र 9) और शर्वा राज महेंद्र जगताप (उम्र 8), दोपहर में बाहर खेल रहे थे। खेलते समय इन बच्चों को एक पीले रंग की चमकती हुई माला मिली। जिज्ञासावश वे हार को घर ले गये। जब वे घर पहुंचे तो उन्होंने सोनू

अंकल को बताया कि उन्हें हार मिल गया है। इस समय उन्हें लगा कि हार अवश्य ही सोने का होगा। यह सुनिश्चित करने के बाद वे तुरंत दोनों बच्चों को सासवड़ पुलिस स्टेशन ले गए। सोने का हार पुलिस को सौंप दिया गया।

सासवड पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव सोनवणे और पुलिस उपनिरीक्षक गणेश पाटिल ने कहा कि वे सोने के आभूषण मिलने की खबर फैलाएंगे और उसके मालिक की तलाश करेंगे। हालांकि, तब तक मेघा रमेश गायकवाड़ (निवासी कात्रज, पुणे) को उनके परिवार ने कुंजिरवाड़ा के पास सड़क पर आभूषणों की तलाश में भटकते हुए देखा। उन्हें जानकारी मिली कि आभूषण सासवड पुलिस स्टेशन में जमा करा दिए गए हैं। थाने पहुंचकर पुलिस ने बिल की फोटो खींची और सारी जांच पड़ताल करने के बाद मोहन माल का सोना मेघा गायकवाड़ को लौटा दिया।

सासवड में करहा नदी के निकट एक प्राचीन संगमेश्वर मंदिर है। कई सगाईशुदा दुल्हन और दूल्हे प्री-वेडिंग शूटिंग के लिए इस स्थान पर आते हैं। मेघा गायकवाड़ भी यहां आईं। शादी से पहले की रस्मों के बाद यह आभूषण उसके गिर गए। बच्चों द्वारा खोजे जाने के बाद उसे वापस लौटा दिया गया। इसका वजन 52 ग्राम है। मेघा गायकवाड़ के चेहरे पर खुशी उस समय अकल्पनीय थी जब उन्हें उनका खोया हुआ मोहन माल, जिसकी कीमत लगभग साढ़े चार लाख रुपये थी, मिल गया। उन्होंने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने यह सोने की मोहन माला अपनी शादी के लिए खरीदी थी और जब यह उन्हें वापस मिली तो उनकी खुशी दोगुनी हो गई। पुलिस विभाग को धन्यवाद. समाज में सोनू काका जैसे लोग भी हैं जो निस्वार्थ भाव रखते हैं और ईमानदारी बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसका अनुभव किया है।

छोटे छात्रों और जगताप परिवार की ईमानदारी सराहनीय है।

युवा छात्र वरुण और शरवराज तथा सासवड़ नगर पालिका के पूर्व पार्षद जितेन्द्र उर्फ सोनू काका जगताप ने सतर्कता बरती और सोने के आभूषणों को सासवड़ पुलिस थाने में लाकर जमा करा दिया। उनकी ईमानदारी सराहनीय है. उनकी मेहनत के कारण, गहना उसके मूल मालिक को वापस कर दिया गया। पूरे समाज को जागरूक रहना चाहिए और इसी प्रकार कार्य करना चाहिए। पुलिस उपनिरीक्षक गणेश पाटिल ने पुलिस विभाग की ओर से तीनों को सम्मानित करते हुए कहा कि उन्हें सतर्क रहना चाहिए।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)